संक्षिप्त समाचार

डालमिया सीमेंट ने रणवीर सिंह को ब्रांड एम्बेसेडर बनाया

सतना। घर के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से यानी रूफ कॉलम फाउंडेशन (आरसीएफ) में सीमेंट के सही इस्तेमाल पर ग्राहकों का मार्गदर्शन और सहायता करने की जिम्मेदारी लेते हुए, डालमिया सीमेंट ने एक नई पहल की है। डालमिया सीमेंट अपने नए अभियान आरसीएफ स्ट्रॉन्ग तो घर स्ट्रॉन्ग के साथ अपने ब्रांड फोकस में एक बड़ा बदलाव ला रहा है। नए ग्राहक-केंद्रित संदेश का उद्देश्य घर बनाने वालों और ठेकेदारों के बीच सही सीमेंट चुनने, इसका सही तरीके से इस्तेमाल करने और अपने सपनों का घर बनाने के लिए सबसे बेहतरीन निर्माण प्रणालियों का पालन करने के बारे में जागरूकता पैदा करना है। डालमिया सीमेंट को आरसीएफ एक्सपर्ट के तौर पर प्रस्तुत करने वाले इस अभियान में सुपरस्टार रणवीर सिंह नजर आयेंगे। इसे एक व्यापक मल्टीमीडिया अप्रोच के जरिए लॉन्च किया जाएगा जिसमें सुपरस्टार रणवीर ब्रांड की तकनीकी जानकारी और अनूठी सेवा के संदेश को अधिक प्रभावी तरीके से फैलाने में सहयोग देंगे। इस अभियान को आरसीएफ स्ट्रॉन्ग तो घर स्ट्रॉन्ग के स्लोबन के जरिए आगे बढ़ाया जाएगा। इस पहल पर अपनी बात रखते हुए कंपनी के एमडी और सीईओ श्री पुनीत डालमिया ने कहा, पिछले आठ दशकों की हमारी शानदार यात्रा के दौरान डालमिया सीमेंट हमारे देश को उसकी बुनियाद से बनाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा है। कंपनी ने देश में तमाम नेशनल लैंडमार्क बनाने और लाखों लोगों के लिए खुशहाल घर का सपना पूरा करने में अपना अहम योगदान दिया है। व्यक्तिगत तौर पर हम अपने घरों को संजोते हैं जिनका हमारे जीवन में गहरा मूल्य और स्थान होता है। इस प्रकार, सीमेंट और तकनीकी विशेषज्ञता के सही इस्तेमाल के साथ ऐसी पीढ़ीगत संपत्ति का निर्माण न केवल घर की मजबूती सुनिश्चित करता है, बल्कि जीवन भर के निवेश का भी प्रतिनिधित्व करता है।

नई दिल्ली में प्रथम स्टार्टअप महाकुम्भ में चमक बिखेरेंगे एआई स्टार्टअप्स

नई दिल्ली, एजेंसी। यहां पहली बार लगने जा रहे स्टार्टअप महाकुम्भ में एआई और एआई की अगुवाई वाले स्टार्टअप्स लोगों के बीच आकर्षण का प्रमुख केंद्र होंगे। स्टार्टअप महाकुंभ 18 मार्च 2024 से नई दिल्ली में शुरू होगा। स्टार्टअप महाकुम्भ आयोजन समिति कि सदस्य और रुकम कैपिटल की मैनेजिंग पार्टनर अर्चना जहागिरदार ने कहा, एआई सभी उद्योगों में एक प्रमुख प्रौद्योगिकीय घटक रहा है और डीपटेक, एग्रिटेक, विनिर्माण, फिनटेक एवं अन्य कई क्षेत्रों में काम कर रहे ज्यादातर स्टार्टअप इस स्टार्टअप महाकुम्भ में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, सोमवार से लगने वाला यह स्टार्टअप महाकुम्भ आकार, पैमाना और प्रभाव के लिहाज से अपनी तरह का पहला आयोजन होगा जिसमें भारत और विश्वभर से 1,000 से अधिक भारी संभावनाओं वाले स्टार्टअप्स के हिस्सा लेने की संभावना है। जहागिरदार ने कहा, हमारा मानना है कि एआई आने वाले वर्षों में पासा पलटने वाला साबित होगा और हम सही डीप टेक और एआई स्टार्टअप्स में निवेश कर रहे हैं।

तेजी से बढ़ रहा पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल का शेयर

सालभर में 800 प्रतिशत चढ़ा भाव, अजय देवगन के पास हैं कंपनी के 1 लाख शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के शेयर इन दिनों फोकस में हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 2 प्रतिशत तक चढ़ गए और 902.10 रुपये पर बंद हुए। बता दें कि इस शेयर में तेजी के पीछे पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के बैनर तले बनी फिल्म शैतान का सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन है। फिल्म की कमाई सिर्फ 8 दिन में 80 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। बता दें कि पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल में अजय देवगन की बड़ी हिस्सेदारी है। हाल ही में अजय देवगन के इस कंपनी के 1 लाख शेयर खरीदे हैं।

274 रुपये के भाव पर किए गए 1 लाख शेयर अलॉट

बता दें कि देवगन को 274 रुपये प्रत्येक शेयर की कीमत पर 1 लाख शेयर अलॉट किए गए, जिनकी कुल राशि 2.74 करोड़ रुपये थी। 4 मार्च को कारोबारी समय के अंत तक निवेश तीन गुना बढ़कर हो गया है। देवगन ने पैनोरमा स्टूडियो और इसके निर्माता कुमार मंगत पाठक द्वारा निर्मित कई फिल्मों में काम किया है, जिनमें दिल तो बच्चा है जी, रेड और दृश्यम शामिल हैं। उन्होंने हाल ही में हम्बल मोशन पिक्चर्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ तीन पंजाबी फिल्मों, कैरी ऑन जेटिये, अरदास 3 और मंजे बिस्त्रे 3 के लिए सहयोग किया है।

क्या है डिटेल

पैनोरमा स्टूडियोज़ ने दृश्यम फ्रैंचाइज़ी के हॉलीवुड रीमेक के लिए गल्फस्ट्रीम पिक्चर्स और फिल्म्स के साथ भी हाथ मिलाया है। चेयरमैन पाठक का टारगेट अगले तीन से पांच सालों में 10 देशों में दृश्यम का निर्माण करना है। यह एक प्रोड्यूसर और टैलेंट मैनेजर दोनों के रूप में देवगन के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है।

शेयरों ने दिए शानदार रिटर्न

पिछले छह महीने में पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के शेयर ने 325 प्रतिशतका रिटर्न दिया है। इस साल ङ्घङ्मञ्जष्ठ में अब तक 150 प्रतिशत और सालभर में यह शेयर 800 प्रतिशत तक चढ़ चुका है।

बदलेगा शेयर खरीदने-बेचने का तरीका, टी+0 सेटलमेंट के बीटा वर्जन को मिली मंजूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयरों की खरीदारी और बिक्री का तरीका बदलने वाला है। दरअसल, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने टी+0 सेटलमेंट के बीटा वर्जन को लॉन्च करने की मंजूरी दे दी है। सेबी ने कहा कि हितधारकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने 25 शेयरों और ब्रोकरेज के लिमिटेड सेट के साथ टी+0 सेटलमेंट के बीटा वर्जन को लॉन्च करने की मंजूरी दी है। सेबी इस कार्यान्वयन की तारीख से तीन महीने और छह महीने के अंत में स्थिति समीक्षा करेगा। इसके बाद आगे फैसला लिया जाएगा। बता दें कि ज्यादातर सिक्योरिटीज अब तक टी+1 सेटलमेंट साइकल पर काम कर रहे थे। 2021 में टी+1 पेश किया गया और इसे चरणों में लागू किया गया, अंतिम चरण जनवरी 2023 में पूरा हुआ। टी+0 सेटलमेंट साइकल अब टी+1 चक्र के साथ एक विकल्प के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। इस कदम से बाजार में लिक्विडिटी बढ़ सकती है और जोखिम कम हो सकता है।

कैसे होगा काम

टी+0 सेटलमेंट के तहत खरीदार को उसी दिन शेयर अलॉटमेंट और बेचने वालों को उसी दिन फंड मिल जाएगा जिस दिन खरीदारी की गई होगी। मान लीजिए कि आपने सोमवार के दिन शेयर बेच रहे हैं तो टी+0 के अनुसार सेटलमेंट पर उसी दिन यानी सोमवार को ही शेयरों के पैसे आपके अकाउंट में ट्रांसफर हो जाएंगे। वहीं आपने शेयर खरीदे हैं तो ये शेयर भी सोमवार को ही आपके डीमैट अकाउंट में क्रेडिट हो जाएंगे। यही नियम टी+1, टी+2 और टी+3 सेटलमेंट में भी लागू होता है। वहीं, साप्ताहिक अवकाश को नहीं गिना जाता है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को राहत

सेबी ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और प्रारंभिक शेयर बिक्री यानी आईपीओ के माध्यम से पैसे जुटाने की चाहत रखने वाली इकाइयों को छूट देना शामिल है। सेबी ने कहा कि इक्विटी शेयर के सार्वजनिक/राइट्स इश्यू में एक प्रतिशत सिक्योरिटी डिपॉजिट की जरूरत को खत्म करने और अप्रत्याशित घटना के कारण ऑफर समापन तिथि के विस्तार को लचीलापन बनाने का निर्णय लिया गया है। ये उपाय आईपीओ और धन जुटाने के लिए आने वाली कंपनियों के वास्ते व्यापार करना सुगम बनाने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

ईवी बस निर्माता ओलेट्रा ग्रीनटेकने भी खरीदे इलेक्टोरल बॉन्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। ईवी बस निर्माता ओलेट्रा ग्रीनटेक के शेयर 15 मार्च को 5 प्रतिशत गिर गए और 1686.50 रुपये के इंट्रा डे लो पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट एक खबर के बाद आई है। दरअसल, चुनाव आयोग के दस्तावेजों से पता चला कि इसकी होल्डिंग कंपनी, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड चुनावी बांड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार थी। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय समय सीमा से एक दिन पहले 14 मार्च को चुनावी बांड पर डेटा अपनी वेबसाइट पर डाल दिया। स्ध्रढ्डरु ने 966 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड खरीदे। हैदराबाद की कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) ने अप्रैल 2023 में 140 करोड़ रुपये के चुनावी बांड खरीदे। इसके अगले महीने ही कंपनी ने महाराष्ट्र सरकार की नोडल एजेंसी एमएमआरडीए द्वारा लगाई गई बोली में एलएंडटी को पछाड़कर ठाणे से बोरीवली परियोजना के लिए 14,400 करोड़ रुपये का ऑर्डर हासिल किया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मंगलवार शाम को चुनाव आयोग को उन संस्थाओं का विवरण सौंपा, जिन्होंने अब समाप्त हो चुके चुनावी बांड खरीदे थे और राजनीतिक दलों ने उन्हें प्राप्त किया था। एसबीआई ने 2018 में योजना की शुरुआत के बाद से 30 किश्तों में 16,518 करोड़ रुपये के चुनावी बांड जारी किए हैं। 15 मार्च को 12 बजे, बीएसई पर ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर 5 प्रतिशत गिरकर 1,701 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। स्टॉक एक सप्ताह में 11 प्रतिशत गिर रहा है और दिसंबर 2022 के बाद से अपने सबसे खराब साप्ताहिक प्रदर्शन की ओर अग्रसर है। पिछले एक महीने में स्टॉक में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस बीच, 15 मार्च को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक का प्रतिस्पर्धी जेबीएम ऑटो 0.7 प्रतिशत बढ़कर 1,880 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

अडानी ग्रुप के खिलाफ अमेरिका में शुरू हुई जांच!

नईदिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी के अडानी ग्रुप के खिलाफ अमेरिका में जांच की जा रही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ये जांच रिश्वतखोरी के एक आरोप को लेकर शुरू की गई है। ये पूरा मामला एक एनर्जी प्रोजेक्ट से जुड़ा बताया जा रहा है। अधिकारी ये पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि अडानी समूह या इससे जुड़े लोगों ने क्या भारतीय अधिकारियों को एक एनर्जी प्रोजेक्ट में मन मुताबिक, काम करवाने के लिए रिश्वत देने में तो नहीं शामिल थे? इस जांच के दायरे में भारतीय रिन्युएबल एनर्जी कंपनी, अजोर पावर ग्लोबल लिमिटेड भी शामिल है। इससे पहले बीते वर्ष अमेरिका की एक शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी ग्रुप के खिलाफ एक रिसर्च पेपर जारी किया था। इसमें अडानी समूह को काफी नुकसान झेलना पड़ा था। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह पर अपने स्टॉक्स के प्राइस के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। हालांकि अडानी समूह ने हिंडनबर्ग की इस रिपोर्ट का सिरे से खारिज कर दिया था।

इस मामले में अडानी ग्रुप का कहना है कि वह भारत और ग्लोबल लेवल पर भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों का पालन करते हैं। ग्रुप को अपने चेयरमैन के खिलाफ किसी भी जांच की जानकारी नहीं है। इससे पहले भी अमेरिका की एक शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी ग्रुप पर कई आरोप लगाए थे। जिसका ग्रुप ने खंडन किया था। अडानी ग्रुप और एज़ूर दोनों भारत के नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में प्रमुख प्रतिस्पर्धी हैं और उन्होंने सौर परियोजनाओं के लिए अनुबंध हासिल किए हैं।

पिछले वर्ष लगे थे आरोप

पिछले साल अवैध भुगतान के आरोपों के बीच समस्याओं का सामना करना पड़ा था और उसे न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज से हटा दिया गया। गौतम अडानी ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों सहित सभी पिछले आरोपों से इनकार किया है, उन्हें दुर्भावनापूर्ण और झूठी कहानियां करार दिया है। इसके समानांतर, भारत अडानी ग्रुप की अपनी जांच कर रहा है, जिसमें देश की शीर्ष अदालत ने नियामक जांच को तेजी से पूरा करने का आदेश दिया है।

1600 के पार जाएगा आजाद इंजीनियरिंग का शेयर

एक्सपर्ट बोले- खरीदो, सचिन तेंदुलकर के पास भी हैं 4.5 लाख शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। आजाद इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर पर मार्केट एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, जल्द ही यह शेयर 1600 रुपये के पार पहुंच सकते हैं। बता दें कि वर्तमान में आजाद इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर 1,212 पर हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने आजाद इंजीनियरिंग को 1600 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है। बता दें कि इस कंपनी के शेयर में दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर समेत कई प्लेयर्स का दांव है। आजाद इंजीनियरिंग ने कई बड़ी डील की हैं। आजाद इंजीनियरिंग ने ऑयल एंड गैस कंपनी बेकर ह्यूजेस ने और पांच साल के स्ट्रैटेजिक सप्लाई एग्रीमेंट जीनियरिंग के साथ किया गया यह लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट है। इस ऑर्डर में ऑयल फील्ड सर्विसेज के लिए मीडियम-टू-हाई कॉम्प्लेक्स प्रिसिशन मशीन्ड कंपोनेंट्स की सप्लाई की जानी है। इससे पहले इसने तेल और गैस सेक्टर के लिए कंपोनेंट्स की सप्लाई के लिए नुओवो पिग्नोन एसआरएल के साथ एक समझौता किया था। इसके अलावा कंपनी ने हाल ही में रॉल्स रॉयस के साथ भी डील की है। बता दें कि आज़ाद इंजीनियरिंग को दिसंबर 2023 में नेट प्रॉफिट तीन गुना से अधिक हो गया और यह 16.8 करोड़ रुपये पर आ गया। हैदराबाद स्थित कंपनी ने एक साल पहले इसी तिमाही में 3.83 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू साल-दर-साल आधार पर 49 प्रतिशत बढ़कर 89.23 करोड़ रुपये हो गया। सालभर पहले कंपनी का रेवेन्यू 68.8 करोड़ रुपये था। आज़ाद इंजीनियरिंग ने 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त नौ महीने के लिए 43.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। कंपनी ने एक साल पहले की अवधि में 6.35 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा कमाया था।

बता दें कि आजाद इंजीनियरिंग के शेयरों को दिसंबर 2023 में बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किया गया था। स्टॉक ने शेयर बाजार में अच्छी शुरुआत की थी। एनएसई पर इसके शेयर 720 रुपये प्रति शेयर पर लिस्ट हुए थे। यह 524 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड से 37.40

निहार शांति पाठशाला फनवाला लैंग्वेज लर्निंग प्रोग्राम ने मध्य प्रदेश में 6 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स की जिंदगी बदली

भोपाल। एक देश के रूप में, हमने शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें ग्रामीण भारत भी शामिल है। शिक्षा किसी भी समाज में प्रगति का प्रमुख अभिप्रेरक है और इस उद्देश्य को साझा करने वाले एक ब्रांड के रूप में, निहार नैचुरल्स शांति बादाम आंवला ने शिक्षा कौशल को योगदान करने के एक तरीके के रूप में पहचाना है। शिक्षा के माध्यम से प्रगति को बढ़ावा देने के ब्रांड के उद्देश्य के बारे में बताते हुये, सोमाश्री बोस अवस्थी, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, मैरिको लिमिटेड ने कहा, ''निहार नैचुरल्स शांति बादाम आंवला हेयर ऑयल ने ब्रांड के उद्देश्य को पहचानने वाले ग्राहकों के साथ जो जुड़ाव बनाया है, उस पर हमें बहुत गर्व है। वर्ष 2019 में, निहार शांति पाठशाला फनवाला की शुरूआत ग्रामीण क्षेत्रों में स्टूडेंट्स के बीच पढ़ने एवं समझने की काबिलियित को विकसित करने के प्रारंभिक उद्देश्य के साथ की गई थी। हमने अपने अनूठे इंग्लिश लिट्रेसी प्रोग्राम की पेशकश के साथ इस उद्देश्य को पूरा किया। यह शिक्षकों को एक ऐसी भाषा में साक्षरता को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है, जो उच्च शिक्षा के बेहतर अवसरों के द्वार खोलती है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों पर इसके प्रभाव को देखना वाकई में संतोषप्रद रहा है। अकेले 2023 में, ब्रांड ने 1.4 लाख सरकारी स्कूलों के साथ साझेदारी की और 2 लाख शिक्षकों को सफलतापूर्वक शिक्षित किया। इस तरह इससे भारत के हिंदी भाषी राज्यों के 142 जिलों में 10 लाख से ज्यादा विद्यार्थी सकारात्मक रूप से प्रभावित हुये हैं।

बदलेगा शेयर खरीदने–बेचने का तरीका, टी+0 सेटलमेंट के बीटा वर्जन को मिली मंजूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयरों की खरीदारी और बिक्री का तरीका बदलने वाला है। दरअसल, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने टी+0 सेटलमेंट के बीटा वर्जन को लॉन्च करने की मंजूरी दे दी है। सेबी ने कहा कि हितधारकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने 25 शेयरों और ब्रोकरेज के लिमिटेड सेट के साथ टी+0 सेटलमेंट के बीटा वर्जन को लॉन्च करने की मंजूरी दी है। सेबी इस कार्यान्वयन की तारीख से तीन महीने और छह महीने के अंत में स्थिति समीक्षा करेगा। इसके बाद आगे फैसला लिया जाएगा।

एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स ने तीन क्रांतिकारी डेयरी सोल्यूशन्स लॉन्च किए

अहमदाबाद स्थित कंपनी ने भारत का पहला एफटीआईआर-आधारित दूध विश्लेषक, गैस क्रोमैटोग्राफी मशीन और सोमैटिक सेल

अहमदाबाद, एजेंसी। डेयरी और खाद्य परीक्षण सोल्यूशन्स में इनोवेशन के लिए विख्यात कंपनी एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स ने तीन क्रांतिकारी उत्पाद लॉन्च किए हैं। लॉन्च किए गए उत्पादों में भारत में पहला एफटीआइआर-आधारित यामा दूध विश्लेषक भी शामिल है। यामा मिल्क एनालाइजर भारत में डिजाइन किया गया पहला फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी एनालाइजर है, जो कच्चे दूध की संरचना का तेजी से और सटीक विश्लेषण प्रदान करता है। यह उपकरण दूध में वसा, एसएनएफ और प्रोटीन सामग्री निर्धारित करने और केवल 30 सेकंड के भीतर सामान्य मिलावट का पता लगाने में सक्षम है। इस विश्लेषक की विशेषताओं के कारण यह ग्रामीण स्तर के दूध भंडारण और थोक दूध शीत केंद्रों में क्रांति ला देगा। इस उत्पाद को बाजार में लाने से इसका आयात भी कम करना होगा क्योंकि फिलहाल इसका ज्यादातर आयात किया जाता है।

एक अन्य प्रमुख उत्पाद मिल्क फैट फैटी एसिड और ट्राइग्लिसराइड्स (एवरेस्ट जीसी4500) के लिए गैस क्रोमैटोग्राफी है, जो दूध, दूध उत्पादों और घी की गुणवत्ता को मापने के लिए महत्वपूर्ण फैटी एसिड और ट्राइग्लिसराइड्स की विस्तृत प्रोफाइलिंग प्रदान करता है। यह उपकरण पोषण मूल्य के सही मापन तथा ओथेन्टीसिटी के कारण डेयरी क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा।

वर्तमान में, फैटी एसिड विश्लेषण और ट्राइग्लिसराइड्स विश्लेषण के लिए दूध वसा के जीसी विश्लेषण के लिए अलग गैस क्रोमैटोग्राफी मशीनों का उपयोग किया जाता है। एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स ने एक ऐसी मशीन विकसित की है जो फैटी एसिड और ट्राइग्लिसराइड्स दोनों का विश्लेषण करती है। इससे मशीनों, सहायक उपकरण, इंस्टॉलेशन और स्पेयर की लागत कम हो जाएगी। इन उत्पादों को हाल ही में हैदराबाद में 50वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष मिनेश शाह द्वारा लॉन्च किया गया था। एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, अजीत पटेल ने कहा, हम दृढ़ता से मानते हैं कि इन नवाचारों में न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर डेयरी उद्योग में क्रांति लाने की क्षमता है। ये नए लॉन्च किए गए उत्पाद वैश्विक लाभ लाएंगे और हम स्पष्ट रूप से इस सफलता को दुनिया भर के उपभोक्ताओं के लिए दूध की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा में सुधार करते हुए देखते हैं। इस उपकरण का लॉन्च हमारे लिए एक बड़ा मील का पत्थर है क्योंकि हम डेयरी उद्योग में अपने 25 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स के संयुक्त प्रबंध निदेशक, परिमल पटेल ने कहा, हमारे नए उत्पादों से भारतीय डेयरी उद्योग और डेयरी किसानों को काफी फायदा होगा। हम अपने ग्राहकों को पिछले 25 वर्षों से हम पर उनके अटूट विश्वास के लिए धन्यवाद देते हैं। हम डेयरी उद्योग के लिए सर्वोत्तम उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और नवाचार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा लोन्च किया गया तीसरा अभूतपूर्व उत्पाद सोमैटिक सेल एनालाइज़र है, जो कच्चे दूध में सोमैटिक कोशिकाओं का पता लगाने और उनकी गिनती करने के लिए एक अत्याधुनिक समाधान है।

आईआईटी मद्रास ने विज्ञान को स्थानीय भाषाओं में लोकप्रिय बनाने की अपनी पहल जारी रखते हुए 2026 तक 50,000 सरकारी स्कूलों तक पहुंचने का लक्ष्य बनाया

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) की एक खास पहल है सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए स्थानीय भाषाओं में विज्ञान को लोकप्रिय बनाना और बच्चों को करियर का मार्गदर्शन देना।इस पहल को जारी रखते हुए संस्थान ने 2026 तक 7 राज्यों के अन्य 50,000 सरकारी स्कूलों के छात्रों तक पहुंचने का लक्ष्य सामने रखा है।

छात्रों से संपर्क के इस अभियान का लाभ निःशुल्क दिया जा रहा है।मकसद उन्हें एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।संस्थान अब तक तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश और पश्चिम बंगाल के 9,193 ग्रामीण और सरकारी स्कूलों में 3,20,702 किताबें वितरित कर चुका है। प्रोफेसर वी. श्रीनिवास चक्रवर्ती, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भूपत और ज्योति मेहता स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज, आईआईटी मद्रास इस पहल के कॉर्डिनेटर हैं।प्रोफेसर श्रीनिवास चक्रवर्ती ने खासकर हाईस्कूल के बच्चों में विज्ञान की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए लगभग 70 पुस्तकों का तेलुगु में लेखन/अनुवाद किया है।

इस तरह की पहल की अहमियत बताते हुए प्रोफेसर वी. श्रीनिवास चक्रवर्ती, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भूपत और ज्योति मेहता स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज, आईआईटी मद्रास ने कहा, ''लोकप्रिय विज्ञान जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल भाषा में अधिक से अधिक लोगों के समझने योग्य बनाने में एक पुल का काम करता है।इस तरह जिन लोगों ने विज्ञान की पढ़ाई नहीं की है वे भी वैज्ञानिक खोजों की खूबसूरती और अहमियत समझ पाते हैं और फिर उसका आनंद लेते हैं।'' प्रोफेसर वी. श्रीनिवास चक्रवर्ती ने कहा, हम सहर्ष यह बताना चाहते हैं कि हम अब तक 9,193 ग्रामीण और सरकारी स्कूलों से संपर्क जोड़ने में सफल रहे हैं और छात्रों को 3,20,702 किताबें वितरित कर चुके हैं।वर्तमान में हम तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और उत्तरप्रदेश के ऐसे स्कूलों तक पहुंचे हैं।